Export of Indian Rails

387. Shri Raghunath Singh: Will the Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India is exporting rails; and

(b) if so, the quantity thereof and to which countries Indian rails are being exported?

The Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri C. Subramaniam): (a) and (b). Yes, Sir, approximately 12500 tons of rails are being exported to Sudan.

ट्रांसफारमरों का निर्माण

३८८. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या इस्पात, खान तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के बनाये हुए सब से बड़े ट्रांसफारमर का परीक्षण सफल रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इस ट्रांसफारमर के निर्माण पर कुल कितना खर्चा आया ;

(ग) क्या ऐसे ट्रांसफारमर और बनाये जायेंगे ; और

(घ) इनका परीक्षण कहां कहां किया जायेगा ?

इस्पात, खान तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री (श्री चि० सुब्रह्मण्यम) : (क) जी, हां; भोपाल में एक ७५००० के० वी० ए० ट्रांसफारमर का सफलतापूर्वक डिजाइन, निर्माण और परीक्षण किया गया है ।

(ख) ट्रांसफारमर का विक्रय-मूल्य ७,६७,२६४ रुपये है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) भोपाल में हैवी इलैक्ट्रिकल्स के कारखाने में ।

मद्रास में पेन्सिल का कारखाना

३८९. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार की मदद से मद्रास में लघु उद्योग योजना के अन्तर्गत पेन्सिल बनाने का एक कारखाना चल रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो उस के लिये अमरीका से हर साल पेन्सिल बनाने की कितनी लकड़ी मंगाई जाती है ?

उद्योग मंत्री (श्री कामराज) : (क) मद्रास राज्य में पेन्सिलें बनाने के दो कारखाने तकनीकी विकास के महानिदेशालय में रजिस्टर्ड हैं और उन्हें इस निदेशालय से कच्चा माल आदि प्राप्त करने में सहायता मिल रही है ।

(ख) पेन्सिलें बनाने के लिये "लकड़ी" भारतीय व्यापार वर्गीकरण में अलग से वर्गीकृत नहीं की गई है । इसलिये पेन्सिलें बनाने के लिये अमरीका से प्रतिवर्ष कुल कितनी लकड़ी मंगाई जाती है, यह बता सकना सम्भव नहीं है ।

Sales of Khadi

390. Shri Kashi Ram Gupta: Will the Minister of Industry be pleased to state:

(a) the total sales of Khadi to both Central and State Government Departments, Semi-Government bodies and corporations and its percentage in relation to total sales, year-wise, in the last three years i.e. 1960-61, 1961-62 and 1962-63 separately for cotton and woollen khadis;

(b) the yearly rebate paid on Government sales for the respective years; and

(c) the total yearly sales to public